



स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आदर्श अखबार

Adarsh Institute of Management and Science (AIMS)

Dhamnod, का विद्यार्थियों के लिए एक उत्कृष्ट प्रकाशन

15 August , 2025 No. 8



प्रथम वर्ष में नवीन प्रवेशी विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन सेरेमनी



स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया तथा

महाविद्यालय को मिली नेक ग्रेड का महत्व बताते हुए जीवन में लक्ष्य प्राप्ति कैसे करें, संस्था में प्रवेश लेने के उद्देश्य, शैक्षणिक स्तर, मानसिक स्तर को कैसे शुरू ढूढ़ बनाना, आज के समय में खुद को कैसे आडेट रखें एवं संतुलित करें, डिप्री के अतिरिक्त और भी नए क्षेत्र में प्रयास करें एवं ऐतिहासिक स्थल से परिचय करवाया तथा बच्चों के विकास में अखबार क्या योगदान है इसे भी बहुत सहजता के साथ विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत किया गया जिसके कारण विद्यार्थी प्रेरित हुए इसी क्रम में आगे की ओर संस्था के निदेशक महोदय के पूजन से किया गया योगदान है इन्होंने अपने अधिकारी और भी नए क्षेत्र में प्रयास करें एवं ऐतिहासिक स्थल से परिचय करवाया तथा बच्चों के विकास में अखबार क्या योगदान है इसे भी बहुत सहजता के साथ विद्यार्थियों के सामने

प्रस्तुत किया गया जिसके कारण विद्यार्थी प्रेरित हुए इसी क्रम में आगे की ओर संस्था के निदेशक महोदय के द्वारा बच्चों का मार्गदर्शन किया गया जिसमें उन्होंने अपने छात्र जीवन के बारे में बताया, जीवन में अनुशासन का क्या महत्व है, हमें पॉन्टिटिव कैसे रहना है एवं जीवन में "स" वर्ण का महत्व समझाते हुए उन्होंने "सुख" "संपत्ति" "स्वास्थ्य" "सम्मान" एवं "सुरक्षा" के ऊपर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया उन्होंने बताया कि जिसने संघर्ष किया है वही चर्चित होता है, भीड़ से हटकर कुछ कार्य करना यही आपको चर्चित करता है, लक्ष्य को निर्धारित करना और उसके मार्ग में आगे बढ़ना आपके लक्ष्य तक पहुंचा देता है, हार नहीं मानना है हमेशा खुश रहना है, मौका हाथ से नहीं

छोड़ता है जिंदगी को मोबाइल से नहीं बैदान से बनाना है, स्क्रीन से नहीं स्किल से सीखना है, इंटरनेट से पहले किसी महत्वपूर्ण कार्य में इंजेंजिनर जरूरी है, "संघर्ष एवं ज्ञान" की कविता से विद्यार्थियों को प्रेरित किया कार्यक्रम के आगामी कड़ी में संस्था के प्रशासनिक अधिकारी अमित वर्मा सर के द्वारा पीपीटी के माध्यम से एवं भगवान बुद्ध के जीवन परिचय के द्वारा नवीन प्रवेश विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया उन्होंने अपनी पीपीटी के माध्यम से किसी भी व्यक्ति के व्यक्तिगत को बनाने के लिए तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की जैसे "आदर्श, प्रेरणादायक कहानियां एवं पदार्थ" के द्वारा विद्यार्थियों को एक नई दिशा प्रदान की एवं कार्यक्रम के अंत में अतिरिक्त, शैक्षणिक स्टाफ, गैर शैक्षणिक स्टाफ एवं कार्यक्रम आयोजक टीम का आभार प्रदर्शन महाविद्यालय के IQAC प्रभारी एवं भौतिक - गणित संकाय के विभाग अध्यक्ष सहायक प्राचायापक यश कर्मा सर के द्वारा किया गया इस दौरान सभी विभाग से समस्त स्टाफ की उपस्थिति रही एवं कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

विशेष धन्यवाद - इस सफल आयोजन एवं सफल समापन के लिए मैं कार्यक्रम प्रभारी सहायक प्राचायापक यश कर्मा समस्त टीम सदस्य, समस्त शैक्षणिक स्टाफ एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ का हृदय से आभारी हूं एवं आप सभी की ओर धन्यवाद प्रेरित करता हूं।

आदर्श महाविद्यालय में आज दिनांक 13/08/2025 को सत्र 2025-26 में नवीन प्रवेशी विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन सेरेमनी का आयोजन किया गया, इंडक्शन सेरेमनी की थीम "good life formula with engaging institute" रही। कार्यक्रम का आरंभ सर्वथर्थ मां सर्वस्त्री के पूजन से किया गया योगदान स्वागत प्राचायापक के मुख्य अतिथि संस्था के निदेशक महोदय डॉ यशपाल व्यास सर एवं संस्था के प्राचार्य महोदय डॉ यशपाल व्यास सर का स्वागत पुष्प गुच्छ एवं स्वागत गीत के द्वारा किया गया कार्यक्रम की अगली कड़ी में संस्था के प्राचार्य महोदय के द्वारा नवीन प्रवेशित विद्यार्थियों का

एक पेड़ माँ के नाम



दिनांक 05/08/2025 मंगलवार (शुक्रवार पक्ष) के दिवस पर आदर्श स्टीटीर्टेट ऑफ मैट्रिजमेंट एंड सार्सै महाविद्यालय धामनाद में हमारे भारत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा पर्यावरण संस्करण के लिए चत्ताएं गए। अभियान एक पेड़ माँ के नाम के उत्तरांश में हमारे आदर्श महाविद्यालय के कल 110 विद्यार्थियों द्वारा 110 पौधों का पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न किया गया। जिसका महत्व उद्देश्य पर्यावरण संस्करण के प्रति जागरूकता फैलाना और माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करना है। इस शुभ कार्य में संवर्धन हमारे महाविद्यालय के निदेशक, महोदय प्रकृति प्रमोटर डॉ नरेंद्र आर के पादीदार सर ने पौधा रोपण का शुभारंभ किया तत्परतात सम्मान के प्रशासनिक अधिकारी श्री अमित वर्मा सर एवं अकादमी का अधिकारी श्री काशीराम धन्मार सर ने सभी विद्यार्थियों के साथ मिलकर अधिक से अधिक संख्या में पौधे

आरोपित किए। इस कार्य में एंटी रोडिंग प्रभारी प्रमोद कुमार बामनिया सर कला संकाय में पदस्थ स. प्रा. अल्लक्ष्मा ठाकुर सर साथ ही वाणिज्य विभाग में पदस्थ स. प्रा. शीतल राठौर मैडम द्वारा भी विद्यार्थियों के साथ सम्मिलित होकर अत्यधिक संख्या में पौधा रोपण का कार्य किया। साथ ही साथ पेड़ लाताओं, पर्यावरण बचाओ ये ही है जीवन का आधार। संस्कार जन जन तक पहुंचाने का भी प्रयास किया आज के इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जीवन जन जन तक पेड़ के महत्व को बताना वृक्ष कटाव को गंगना साथ ही साथ सभी विद्यार्थियों को प्रकृति की सूर्योदय से जोड़ना व प्रकृति के प्रति सम्मान, प्रेरणा और सुरक्षा की भावना को जागृत करना है जय हिंद।

क्यों और कैसे मनाया जाता है स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है क्योंकि इस दिन भारत ने ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की थी।

स्वतंत्रता दिवस का इतिहास:

15 अगस्त 1947 को भारत ने ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की, जब भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने दिल्ली के लाल किले पर तिरंगा झँड़ा फहराया। यह दिन भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसने देश को ब्रिटिश शासन से मुक्ति दिलाई और भारत को एक स्वतंत्र राष्ट्र घोषित किया।

स्वतंत्रता दिवस का महत्व:

स्वतंत्रता दिवस भारत की स्वतंत्रता की याद में मनाया जाता है और यह देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। इस दिन लोग देश की स्वतंत्रता के लिए शहीद हुए वीरों को श्रद्धांजलि देते हैं और देश की प्रगति और समृद्धि के लिए काम करने का संकल्प लेते हैं। 15 अगस्त का दिन भारत की स्वतंत्रता और संप्रभुता का प्रतीक है। यह दिन देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है, और इसे हर साल स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

स्वतंत्रता दिवस के दौरान किए जाने वाले कार्य:

- तिरंगा झँड़ा फहराना
- देशभक्ति गीत और नारे लगाना
- स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देना
- देश की प्रगति और समृद्धि के लिए काम करने का संकल्प लेना

तिरंगे का एक अपना ही महत्व होता है। यह बिल्कुल सही है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज, जिसे तिरंगा भी कहा जाता है, भारत की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। इसका हर रंग, हर चक्र, और हर पहलू देश के इतिहास, संस्कृति, और मूल्यों को दर्शाता है।

इसरो की उपलब्धियाँ जिन्होंने हमें गौरवान्वित किया



शुक्रवार, 15 अगस्त, 2025
को भारत अपना 79वाँ
स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। इस
दिन ने 1947 में 30 करोड़ से
ज्यादा लोगों की नियति को
हमेशा के लिए बदल दिया।
सदियों के विदेशी प्रभुत्व से
उपजा एक लोकतंत्र, भारत

आज दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत का स्वतंत्रता दिवस उसी दिन पड़ता है जिस दिन 1969 में डॉ. विक्रम साराभाई, जिन्हें भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक भी कहा जाता है, के दूरदर्शी मार्गदर्शन में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की आधिकारिक स्थापना हुई थी। उनका सपना अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग राष्ट्र के विकास और वैज्ञानिक उन्नति के लिए करना था। पिछले 56 वर्षों में, इसरो एक वैश्विक अंतरिक्ष महाशक्ति के रूप में विकसित हुआ है। 1970 के दशक में अपने पहले उपग्रह, आर्यभट्ट, के प्रक्षेपण से लेकर अपने पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह पर पहुँचने वाला पहला एशियाई राष्ट्र बनने तक, इसरो दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित अंतरिक्ष एजेंसियों में से एक के रूप में विकसित हुआ है। आइए, भारत की अंतरिक्ष यात्रा पर एक नज़र डालते हैं। पिछले पाँच दशकों में इसरो की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं।

• आर्यभट्ट और एसएलवी-3 (1975)

भारत की अंतरिक्ष यात्रा वास्तव में 19 अप्रैल, 1975 को अपने पहले उपग्रह आर्यभट्ट के प्रक्षेपण के साथ शुरू हुई। सोवियत संघ के कपुस्टिन यार से प्रक्षेपित 360 किलोग्राम वज़नी आर्यभट्ट को एक्स-रेखोगोल विज्ञान, सौर भौतिकी और वायुविज्ञान में वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए डिज़ाइन किया गया था। तकनीकी समस्याओं के कारण इसका मिशन छोटा हो गया, लेकिन उपग्रह के डिज़ाइन और संचालन से सीखे गए सबक अमूल्य साबित हुए।

• जीएसएलवी और जीसैट मिशन

2001 में शुरू हुए इसरो के भू-समकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी) कार्यक्रम ने भारत को भूस्थिर कक्षा में भारी पेलोड प्रक्षेपित करने में सक्षम बनाया। इसके प्रमुख प्रयासों में

तिरंगे के तीन रंग, केसरिया, सफेद, और हरा, अपने-अपने महत्व रखते हैं: तिरंगे झँड़े में तीन रंग होते हैं, केसरिया, सफेद, और हरा। प्रत्येक रंग का अपना एक विशेष अर्थ होता है: केसरिया रंग:

केसरिया रंग साहस, बलिदान, और त्याग का प्रतीक है। यह रंग हमें देश के लिए साहस और बलिदान करने की प्रेरणा देता है।

सफेद रंग:

सफेद रंग शुद्धता, सत्य, और शांति का प्रतीक है। यह रंग हमें सत्य और शांति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

हरा रंग:

हरा रंग हरियाली, विकास, और समृद्धि का प्रतीक है। यह रंग हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और विकास की प्रेरणा देता है।

अशोक चक्र (नीला रंग):

तिरंगे झँड़े के केंद्र में अशोक चक्र होता है, जो नीले रंग का होता है। यह चक्र धर्म और न्याय का प्रतीक है, और यह हमें धर्म और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

तिरंगा झँड़ा भारत की एकता, अखंडता, और संप्रभुता का प्रतीक है, और यह हमें देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराता है।

जीएसएलवी-डी५ (2014) शामिल है, जिसमें भारत के पहले पूर्ण स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन का इस्तेमाल किया गया था, और जीएसएलवी एमके III-डी१ (2017) जिसने उस समय भारत के सबसे भारी उपग्रह जीसैट-19 को प्रक्षेपित किया था।

• मंगलयान (2013)

शायद इसरो की सबसे प्रशंसनीय उपलब्धि 5 नवंबर, 2013 को मंगलयान (मार्स ऑर्बिटर मिशन) के प्रक्षेपण के साथ आई। 24 सितंबर, 2014 को, इसने भारत को अपने पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह पर पहुँचने वाला पहला देश बना दिया, जिसे नासा ने भी असाधारण उपलब्धि बताया। पीएसएलवी-सी३७ (2017)

इसरो का ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) विश्वसनीयता के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन 15 फरवरी, 2017 को इसने एक ही मिशन में 104 उपग्रहों को प्रक्षेपित करके वैश्विक सुर्कियां बटोरीं, जो एक विश्व रिकॉर्ड है।

• नाविक (2018)

2018 में, भारत ने नाविक (भारतीय नक्षत्र के साथ नेविगेशन) पूरा किया, जो एक स्वदेशी नेविगेशन प्रणाली है जो भारत और उसकी सीमाओं से 1,500 किलोमीटर आगे तक फैले हुई है। भूस्थिर और भू-समकालिक कक्षाओं में सात उपग्रहों के साथ, नाविक रक्षा, आपदा प्रबंधन और दूरस्थ क्षेत्रों में नेविगेशन के लिए सटीक स्थिति निर्धारण प्रदान करता है।

• चंद्रयान मिशन

भारत के पहले चंद्र मिशन, चंद्रयान-1 (2008) ने चंद्रमा पर जल के अनुओं की अभूतपूर्व खोज की, जिसने दशकों की धारणाओं को पलट दिया। चंद्रयान-2 (2019) का लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करना था। हालाँकि इसका लैंडर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, लेकिन ऑर्बिटर मूल्यवान डेटा प्रदान करता रहा।

• आदित्य-एल1 (2023)

2 सितंबर, 2023 को प्रक्षेपित, आदित्य-एल1 सूर्य का अध्ययन करने वाला भारत का पहला समर्पित मिशन है। लैंग्रेज बिंदु 1 पर स्थित, यह सौर प्रभामंडल, वर्णमंडल और सौर वायु का अवलोकन करता है, जिससे वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष मौसम की उन घटनाओं की भविष्यवाणी करने में मदद मिलती है जो उपग्रहों, विद्युत ग्रिड और संचार को बाधित कर सकती हैं।

विश्व :

- * अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति पुतिन 15 अगस्त को अलास्का में मुलाकात करेंगे। इसका मकसद यूक्रेन में साढ़े तीन साल से चल रही जंग खत्म करना है। भारत की दृष्टि से भी यह मुलाकात अहम होगी, अगर यह सफल होती है तो ट्रम्प के लगाए हुए टैरिफ से रहत मिलने की उम्मीद है।
- * NSA अजीत डोभाल ने मास्को यात्रा के दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की, अमेरिकी टैरिफ के चलते यह मुलाकात अहम रही। राष्ट्रपति पुतिन इस साल भारत भी आएंगे।
- * प्रधानमंत्री मोदी SCO समिट में शामिल होने के लिए चीन जाएंगे। यह दौरा 31 अगस्त और 1 सितंबर को होगा। 2020 में गलवान घाटी में भारत-चीन सैन्य झड़प के बाद PM की पहली यात्रा होगी।
- * फिलिपींस के राष्ट्रपति रोमुआल्डेज मार्कोंस जूनियर ने 5 दिवसीय भारत दौरे पर आए। उन्होंने प्रधानमंत्री से भी हैदराबाद हाउस में मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच समझौते MOUs साइन हुए। दोनों नेताओं ने एक डाक टिकेट भी जरी किया।
- * ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट नी देश के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को नजरबंद करने का आदेश दिया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने 2022 के राष्ट्रपति चुनाव में हार के बावजूद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की साजिश रची थी।
- * अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच 37 साल पुरानी जंग खत्म करने के लिए समझौता करा दिया है। दोनों देशों में विवादित इलाके के लिए एक ट्रांजिट कॉरिडोर बनाने पर सहमति बनी है।

देश :

- * सरकारी बंगलो में अधिजले नोटों की बोरियां मिलने के मामले में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लोकसभा में महाभियोग की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। स्पीकर ने इसका प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है और उनके खिलाफ लगे आरोपों की जांच के लिए कमेटी बनाई है। इसमें सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट के जज एवं एक वरिष्ठ वकील हैं। समिति अपनी रिपोर्ट सौंपेंगी, फिर संसद में महाभियोग प्रस्ताव पर निर्णय होगा।
- * सुप्रीम कोर्ट द्वारा आठ हफ्तों में दिल्ली एनसीआर की सड़कों से आवारा कुत्तों को सड़कों से हटाकर शेल्टर होम ले जाने का आदेश दिया गया है। इसके बाद तीन केन्द्रीय मंत्रालयों ने सभी राज्यों को एक एडवाइजरी भेजी है। इसमें कहा गया है कि देश में 1.53 करोड़ आवारा कुत्ते हैं। इनमें से 70% का वैक्सीनेशन वा नसबंदी एक साल में करने का टारगेट रखा गया है।
- * मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि को गृह मंत्री अमित शाह की शिफारिश पर 6 माह बढ़ा दिया गया है, यह राष्ट्रपति शासन मणिपुर के मुख्यमंत्री के इस्तीफे के बाद 13 फरवरी 2025 को लगाया गया था।
- * चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है। 9 सितंबर को यह चुनाव होगा। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद यह पद खाली है।
- * लोक सभा में नया इनकम टैक्स बिल, नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल 2025 और एंटी डोपिंग बिल पास कर दिए गए।

प्रदेश :

- मध्यप्रदेश विधानसभा में जन विश्वास 2.0 बिल पेश, औद्योगिक निवेशकों, कारोबारियों और आम लोगों को छोटी - मोटी लापरवाही या अनजाने में हुए सिविल अपराधों पर कोर्ट-कचहरी के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इसके लिए मप्र सरकार ने जन विश्वास (उपबंधों का संसोधन) विधेयक 2025 विधानसभा में पेश किया। 16 कानूनों की 44 धाराओं को अपराध मुक्त करते हुए सामान्य पेनलटी में बदला जाएगा।

काकोरी ट्रेन क्रांति के 100 वर्ष पूरे

काकोरी क्रांति की पूरी कहानी



9 अगस्त

1925

शहजहांपुर

से तखनऊ

जा रही नंबर

8 डाउनट्रेन

को लूटा,

ताकि ब्रिटिश

सरकार के

खुजाने में सेंध

लगाई जाए।

4600

रुपए लूटे

गा थे

ट्रैन से

किसे क्या सजा हुई

फांसी

काला पानी

रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकुल्ला खां,

सर्हिंद्र सान्याल

रोशन सिंह, व राजेंद्र नाथ लाहिड़ी

सर्हिंद्र बछरी

बाकी बचे क्रांतिकारियों को 4 से 14 साल तक कैद

खेल समाचार :

- * भारत - इंग्लैंड के बीच खेली गई 5 टेस्ट मैच की सीरीज 2-2 से बराबर रही। यह सीरीज 20 जून से 5 अगस्त के बीच इंग्लैंड में खेली गई। रोहित शर्मा और विराट कोहली के रिटायरमेंट के बाद यह पहली टेस्ट सीरीज थी। यह टेस्ट सीरीज दूसरी सबसे ज्यादा रन वाली टेस्ट सीरीज हो गई, इसमें कुल 7187 रन बने।

**Adarsh Institute Of
Management & Science**
A.B. Road Dhamnod

9893537647

**ADMISSIONS
OPEN 2025-26**
B.Sc.Biotechnology
Computer science
Bio-Plain**M.Sc.**Zoology
Chemistry
**B.A.
B.Com.**
Computer
Application
**M.A.
Sociology**
**M.Com.
Plain**


व्यक्तित्व : जीवन परिचय

श्री अरबिंदो - योगी, कवि, राष्ट्रवादी और दार्शनिक

जन्म : 15 अगस्त 1872, कलकत्ता

पिता : कृष्णधन घोष

माता : स्वर्णलता देवी

उनकी शिक्षा दार्जिलिंग के स्कूल में हुई, जिसके पश्चात वे Cambridge university में प्रवेश लिया, जहाँ आधुनिक और शास्त्रीय भाषाओं में कुशल हो गए।

वर्ष 1892 में उन्होंने बड़ोदा और कलकत्ता में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर कार्य किया।

भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन :

वर्ष 1902 से 1910 तक उन्होंने भारत को अंग्रेजों से मुक्त करने के सिंघर्ष में भाग लिया।

वर्ष 1905 में बंगाल विभाजन के विरोध में उन्होंने “वन्दे मातरम्” पत्रिका की शुरुआत की।

वर्ष 1908 - अलीपुर बम कांड में गिरफ्तार किया गया।

इसके दो वर्ष बाद वे ब्रिटिश भारत से भाग कर पैंडिचेरी चले गए और अद्यात्मिक गतिविधियों का अपना लिया।

पैंडिचेरी में उन्होंने अद्यात्मिक साधकों के एक समुदाय की स्थापना की। जिसने 1926 में श्री अरबिंदो आश्रम के रूप में आकार लिया।

साहित्यिक कार्य :

योग के आधार, भगवत्गीता और उसका संदेश, पुनर्जन्म और कर्म, आदि।

निधन : 5 दिसंबर 1950।

इतिहास की खोज -

विद्रोह के स्थान	भारतीय नेता	ब्रिटिश अधिकारी
दिल्ली	बहादुर शाह द्वितीय	जॉन निकोलसन
लखनऊ	बेगम हज़रत महल	हेनरी लॉरेंस
कानपुर	नाना साहेब	सर कॉलिन कैपबेल
झांसी और ग्वालियर	लक्ष्मी बाई और तात्या टोपे	जनरल ह्यूग रोज़
बरेली	खान बहादुर खान	सर कॉलिन कैपबेल
इलाहाबाद और बनारस	मौलवी लियाकत अली	कर्नल ओन्सेल
बिहार	कुंवर सिंह	विलियम टेलर

हमारा संविधान

**THE CONSTITUTION OF INDIA
PREAMBLE**

WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a [SOVEREIGN, SOCIALIST SECULAR DEMOCRATIC REPUBLIC] and to secure to all its citizens:

JUSTICE, social, economic and political;

LIBERTY of thought, expression, belief, faith and worship;

EQUALITY of status and of opportunity; and to promote among them all

FRATERNITY assuring the dignity of the individual and the "unity and integrity of the Nation";

IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY this twenty-sixth day of November, 1949 do HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.

1. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, Sec. 2, for "Sovereign Democratic Republic" (w.e.f. 1.1.1977).
2. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, Sec. 2, for "Unity of the Nation" (w.e.f. 1.1.1977).

**भारत का संविधान
उद्देशिका**

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, धर्म-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को:

सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय,

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की स्वतंत्रता,

प्रतिष्ठा और अवसर की समता

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और

राष्ट्र की एकता और अखंडता

सुनिश्चित करने वाली बधुता बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् द्यो हजार छह विक्रमी) को एतद्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

काव्य रचना

चंदन सी मिट्ठी... गुलाब सी खुशबू,
गूंजता है हर कोना... देश की धुन।

हर पत्थर के नीचे एक कहानी छुपी,
हर लहू के क़तरे में... एक जवानी छुपी।

तिरंगा जो लहराता है आसमान के पार,
वो कहता है — याद रखना शहीदों का प्यार...

ना पूछो हमने क्या खोया,
बस देखो तुमने क्या पाया...
ये आज्ञादी तुम्हें आसान मिली,
हमने अपना लहू बहाया।

कोई गांधी बनकर सच के रास्ते चला,
कोई भगत बनकर फँसी पर मुस्कुरा चला...
कोई बोस बनकर गरज उठा —
“तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज्ञादी दूँगा”
कहकर जग उठा।

आज मिट्ठी से पूछो, वो कहती है —
मैं वीरों के खून से रंगीन हूँ...
आज आसमान से पूछो, वो कहता है —
मैं तिरंगे की उड़ान से सुहाना हूँ।

देश सिर्फ़ ज़मीन का टुकड़ा नहीं,
ये माँ है... जिसका आँचल वीरों के बलिदान से सजा है।
ये मंदिर है... जिसमें एक-एक दिया शहीदों के खून से जला है।

ना सोचना आज्ञादी सस्ती है,
इसके पीछे हर एक आँसू महांगा है...
तुम स्कूल की घंटी बजते ही हँसते हो,
कोई सीमा पर... गोलियों की आवाज़ में सोया है।

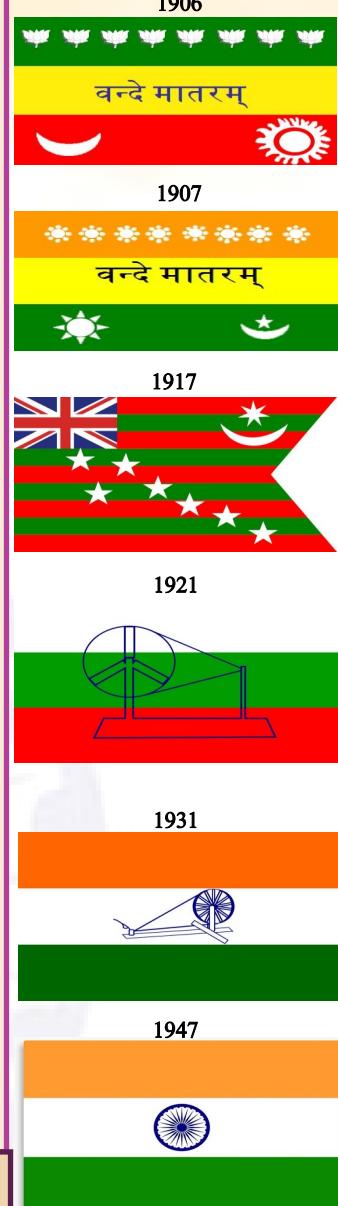
देश तभी महान है,
जब आज्ञादी सिर्फ़ किताबों में कहानी ना रहे।
तिरंगा तभी ऊँचा है,
जब वीरों की कुबानी हर दिल की धड़कन में जीवित हो।

तिरंगा हवा से नहीं लहराता...
वो लहराता है...
शहीदों की आखिरी साँसों की गरमाहट से,
माँओं के आँसुओं की नरमी से,
और उन वीरों के खून की लाली से...
जो कहते हैं — हम गए पर आज्ञादी रहे।

चलो आज हम ये कसम खाएँ...
ना सिर्फ़ देश में रहेंगे... देश के लिए जीएंगे।
ना सिर्फ़ तिरंगे को देखेंगे... तिरंगे के नीचे मर मिटेंगे।

जय हिंद! वंदे मातरम्!

Student - Saloni Malviya , BSc Plain 1st Year



रोजगार के अवसर

इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सोनेल
सिलेक्शन (आईबीपीएस)

पद का नाम - कस्टमर सर्विस एसोसिएट्स
(क्लर्क)
पदों की संख्या - 10277
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त
विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री।
अंतिम तिथि - 21 अगस्त, 2025
वेबसाइट - <https://www.ibps.in>

सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया

पद का नाम - कोर्ट मास्टर (शॉर्टहैंड)
पदों की संख्या - 30
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या
संस्थान से स्नातक डिग्री तथा कम्प्यूटर
सचालन एवं टाइपिंग तथा शॉर्टहैंड का ज्ञान
हो।
अंतिम तिथि - उल्लेखित नहीं
वेबसाइट - <https://www.sci.gov.in>

द ओरियन्टल इंश्योरेंस
कंपनी लिमिटेड

पद का नाम - असिस्टेंट
पदों की संख्या - 500
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त
विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक
की डिग्री।
अंतिम तिथि - 17 अगस्त, 2025
वेब. - <https://orientalinsurance.org.in>

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल

पद का नाम - पैरामेडिकल संवर्ग के
अंतर्गत फिजियोथेरेपिस्ट, काउंसलर,
फार्मासिस्ट ग्रेड-2, नेत्र सहायक, ओटी
टेक्निशियन
पदों की संख्या - 752
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 16 अगस्त, 2025
वेबसाइट - <https://esb.mp.gov.in>

सीमा सुरक्षा बल

पद का नाम - खेल कोटे के तहत कांस्टेबल
(सामान्य ड्यूटी)
पदों की संख्या - 241
योग्यता - मान्यता प्राप्त बोर्ड से मैट्रिक
(10वीं कक्ष) उत्तीर्ण हो साथ ही अन्य
योग्यताएं।
अंतिम तिथि - 20 अगस्त, 2025
वेबसाइट - <https://rectt.bsf.gov.in>

ऑयल इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - बॉयलर अटेंडेंट, कॉन्स्टेबल,
फायर एंड सेफ्टी ऑफिसर, सेनिटेशन
ऑफिसर, नर्स, हिन्दी ट्रांसलेटर, केमिकल
इंजीनियर, सिविल इंजीनियर, कम्प्यूटर
इंजीनियर, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर,
मैकेनिकल इंजीनियर, केमिकल इंजीनियर,
पदों की संख्या - 262
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 18 अगस्त, 2025
वेब. - <https://www.oil-india.com>

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग
कंपनी लिमिटेड

पद का नाम - सहायक अभियंता (उत्पादन,
सिविल), पाली रसायनक, चिकित्सा
अधिकारी, सुरक्षा अधिकारी, कार्मिक
अधिकारी, कनिष्ठ अभियंता (मैकेनिकल,
इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सिविल),
संयंत्र सहायक (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल),
कार्यालय सहायक, भंडार सहायक, कनिष्ठ
शीघ्रलेखक, अग्निशामक, सुरक्षा सैनिक,
बॉर्ड आया, बॉर्ड बॉय
पदों की संख्या - 346
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 21 अगस्त, 2025
वेब. - <https://www.mppgcl.mp.gov.in>